

रस.स. हिन्दी साहित्य

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर

सत्र 2017-18 से प्रभावशील

प्रथम सेमेस्टर

विषय : भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र

प्रश्नपत्र : प्रथम

पूर्णांक 85+15 सी.सी.ई.

इकाई - 1

भारतीय काव्य शास्त्र : काव्य- लक्षण, काव्य- हेतु, काव्य - प्रयोजन काव्य के प्रकार।
रस-सिद्धांत : रस का स्वरूप, रस - निष्पत्ति, रस के अंग, साधारणीकरण,
सहृदय की अवधारणा।

अलंकार सिद्धांत : मूल स्थापनाएं, अलंकारों का वर्गीकरण।

इकाई - 2

रीति सिद्धांत : रीति की अवधारणा, काव्य-गुण, रीति एवं शैली, रीति सिद्धांत की प्रमुख
स्थापनाएँ।

वक्रोक्ति सिद्धांत : वक्रोक्ति की अवधारणा, वक्रोक्ति के भेद, वक्रोक्ति एवं अभिव्यंजनावाद।

इकाई - 3

ध्वनि सिद्धांत : ध्वनि का स्वरूप, ध्वनि - सिद्धांत की प्रमुख स्थापनाएँ, ध्वनि काव्य के प्रमुख
भेद, गुणीभूत-व्यंग्य, चित्रकाव्य।

औचित्य सिद्धांत : प्रमुख स्थापनाएँ, औचित्य के भेद।

इकाई - 4

हिन्दी रीतिकालीन कवि - आचार्यों का काव्य शास्त्रीय चिंतन : लक्षण-काव्य परंपरा एवं कवि -
शिक्षा

इकाई - 5 आधुनिक हिन्दी आलोचना का विकास

हिन्दी आलोचना की प्रमुख प्रवृत्तियाँ : शास्त्रीय व्यक्तिवादी / सौष्ठव वादी, ऐतिहासिक,
तुलनात्मक, मनोविश्लेषणवादी, सौंदर्यशास्त्रीय शैलीवैज्ञानिक और समाजशास्त्रीय

एम. ए प्रथम सेमेस्टर प्रश्न पत्र- द्वितीय

हिन्दी साहित्य

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास

पूर्णांक - 85+15 सी.सी.ई.

पाठ्य विषय :-

इकाई - 1 व्याख्यांश -

1. विद्यापति - 20 पद (विद्यापति, जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)

पद क्रमांक - 1,4,5,7,8,11,12,14,15,16,20,22,23,26,27,28,31,35,36,39.

2. कबीर - कबीर ग्रंथावली - डॉ० श्यामसुंदर दास

गुरुदेव को अंग (सारखी क्रमांक 1 से 10), सुमिरण को अंग (सारखी
क्रमांक 1 से 10), विरह को अंग (सारखी क्रमांक 1 से 10), ज्ञान- विरह
को अंग (सारखी क्रमांक 1 से 10), परचा को अंग (सारखी क्रमांक 1 से
10).

3

जायसी - पद्मावत - सम्पादक- आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
(मानसरोदक खण्ड एवं नागमती वियोग खण्ड) उपसंहार संपूर्ण।

11.7.17

11.7.17

इकाई - 2

गिराणपति एवं कबीर से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - 3

जायसी से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - 4 प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य (निर्गुणधारा) का इतिहास, प्रमुख प्रवृत्तियों एवं रचनाकारों से संबंधित प्रश्न।

इकाई - 5 दुतपाठ के कवि-गोरखनाथ, अमीर खुसरो, नंददास, रैदास नामदेव से संबंधित लघुउत्तरीय प्रश्न।

अंक विभाजन -नियमित

इकाई 1	--	व्याख्या	3 X 8 = 24
इकाई 2	--	आलोचनात्मक प्रश्न	16
इकाई 3	--	आलोचनात्मक प्रश्न	15
इकाई 4	--	आलोचनात्मक प्रश्न	15
इकाई 5	--	लघुउत्तरीय प्रश्न 3 X 5 = 15	

85

अंक विभाजन -स्वाध्यायी

इकाई 1	--	व्याख्या	3 X 9 = 27
इकाई 2	--	आलोचनात्मक प्रश्न	20
इकाई 3	--	आलोचनात्मक प्रश्न	20
इकाई 4	--	आलोचनात्मक प्रश्न	18
इकाई 5	--	लघुउत्तरीय प्रश्न 3 X 5 = 15	

100

प्रथम सेमेस्टर

प्रश्नपत्र तृतीय

आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास

पूर्णांक-85+15 सी.सी.ई.

इकाई-1 उपन्यास और कहानी
व्याख्यांश

1- गोदान- प्रेमचन्द

2- रागदरबारी - श्रीलाल शुक्ल

3- रूकोगी नहीं राधिका - उषा प्रियंवदा

4- कथायात्रा - सं. डॉ. राजेन्द्र मिश्र - तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।

इकाई-2

गोदान अथवा रागदरबारी से आलोचनात्मक प्रश्न

इकाई-3

रूकोगी नहीं राधिका अथवा कथायात्रा से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई-4

उपन्यास और कहानी का इतिहास और उनकी विविध प्रवृत्तियों।

इकाई-5 - दुतपाठ

मृदुला गर्ग, यशपाल, अमृतलाल नागर, निर्मल वर्मा, कमलेश्वर से संबंधित लघुउत्तरीय प्रश्न।

11.7.17

11.7.17

अंक विभाजन -नियमित

इकाई 1	-	व्याख्या	3 X 8 = 24
इकाई 2	-	आलोचनात्मक प्रश्न	16
इकाई 3	-	आलोचनात्मक प्रश्न	15
इकाई 4	-	आलोचनात्मक प्रश्न	15
इकाई 5	-	लघुउत्तरीय प्रश्न 3 X 5 = 15	
			<hr/>
			85

अंक विभाजन -स्वाध्यायी

इकाई 1	-	व्याख्या	3 X 9 = 27
इकाई 2	-	आलोचनात्मक प्रश्न	20
इकाई 3	-	आलोचनात्मक प्रश्न	20
इकाई 4	-	आलोचनात्मक प्रश्न	18
इकाई 5	-	लघुउत्तरीय प्रश्न 3 X 5 = 15	
			<hr/>
			100

प्रथम सेमेस्टर
प्रश्नपत्र- चतुर्थ
प्रयोजनमूलक हिन्दी

इकाई - 1

कामकाजी हिन्दी -

पूर्णांक - 85+15 सी.सी.ई.

1. हिन्दी के विभिन्न रूप- सर्जनात्मक भाषा, संचार भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, माध्यम भाषा, मातृभाषा।
2. कार्यालयीन हिन्दी, राजभाषा के प्रमुख प्रकार्य :- प्रारूपण, पत्र-लेखन संक्षेपण, पल्लवन, टिप्पण।
3. पारिभाषिक शब्दावली - स्वरूप एवं महत्त्व, पारिभाषिक शब्दावली एवं उनका व्यावहारिक प्रयोग।

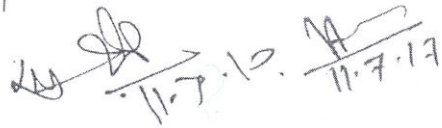
इकाई - 2

हिन्दी कम्प्यूटिंग-

1. कम्प्यूटर : परिचय, रूपरेखा, उपयोग तथा वेब पब्लिशिंग का परिचय।
2. इंटरनेट:- संपर्क उपकरणों का परिचय, प्राथमिक, रख-रखाव एवं इंटरनेट समय मितव्ययिता के सूत्र।
3. वेब पब्लिकेशन।
4. इंटर एक्सरलोइट अथवा नेट स्केप।
5. लिंक, ब्राउजिंग पोर्टल, ई मेल भेजना/ प्राप्त करना, हिन्दी के प्रमुख इंटरनेट पोर्टल, डाउनलोडिंग एवं अपलोडिंग के साफ्टवेयर पैकेज।

इकाई - 3

1. अनुवाद :- स्वरूप, क्षेत्र, प्रक्रिया और प्रविधि।


11.7.17

2. हिन्दी की प्रयोजनीयता में अनुवाद की भूमिका।
3. कार्यालयीन हिन्दी और अनुवाद।
4. जनसंचार माध्यमों का अनुवाद।
5. विज्ञापन में अनुवाद।
6. वैचारिक साहित्य का अनुवाद।

इकाई - 4

1. वाणिज्यिक, वैज्ञानिक, तकनीकी तथा प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अनुवाद।
2. विधि साहित्य की हिन्दी और अनुवाद।
3. व्यावहारिक अनुवाद अभ्यास।
4. कार्यालयीन अनुवाद-कार्यालयीन एवं प्रशासनिक प्रयुक्तियाँ, पदनाम, विभाग आदि।
5. पदनामों, अनुभागों, दस्तावेजों, प्रतिवेदनों के अनुवाद।

इकाई 5

1. बैंक साहित्य के अनुवाद का अभ्यास।
2. विधि साहित्य के अनुवाद का अभ्यास।
3. साहित्यिक अनुवाद के सिद्धान्त एवं व्यवहार :- कविता, कहानी, नाटक
4. सारानुवाद 5 - दुभाषिया प्रविधि 6 अनुवाद पुनरीक्षण एवं मूल्यांकन

अंक विभाजन - नियमित

पाँचों इकाई से पाँच निबंधात्मक प्रश्न 17 - 17 अंकों के।

अंक विभाजन - स्वाध्यायी

इकाई 1 से 4 तक निबंधात्मक प्रश्न प्रत्येक - 20 अंक

इकाई 5 टिप्पणी 10+10 = 20

देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इन्दौर,
रोगिस्टर - द्वितीय
भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य शास्त्र
प्रश्न पत्र : प्रथम

पूर्णांक-85+15 सी.सी.ई.

इकाई - 1

प्लेटो : काव्य - सिद्धांत

भरसतू : अनुकरण - सिद्धांत, त्रासदी- विवेचन, विरेचन सिद्धांत

लॉजाइनस : उदात्त की अवधारणा

इकाई-2

डाइडन के काव्य सिद्धांत

वडर्सवर्थ : काव्य - भाषा का सिद्धांत

कालरिज : कल्पना - सिद्धांत और ललित - कल्पना

[Handwritten signature]
11.7.17

[Handwritten signature]
11.7.17

कालरिज : कल्पना - सिद्धांत और ललित - कल्पना

इकाई - 3

मैथ्यू आर्नल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य

टी.एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिक प्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य।

आई.ए. रिचर्डस : रागात्मक अर्थ | संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना।

इकाई - 4

सिद्धांत और वाद : अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषण तथा अस्तित्ववाद।

इकाई - 5

आधुनिक समीक्षा की विशिष्ट प्रवृत्तियाँ : संरचनावाद, शैलीविज्ञान, विखंडनवाद, उत्तर अधुनिकतावाद।

प्रश्नपत्र- द्वितीय

प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य तथा उसका इतिहास

पूर्णांक - 85+15 सी.सी.ई.

इकाई - 1

व्याख्यांश

सूरदास :- भ्रमरगीत सार - संपादक रामचंद्र शुक्ल, पद क्रमांक 51 से 100 तक।

तुलसीदास - विनय पत्रिका - गीत प्रेस, गोरखपुर, पद क्र.

1,5,41,66,73,79,87,90,91,94,98,100,101,102,105,111,115,120,123,124,149,155,162,163,165,166,172,174,198,199,237,242,268,276 ।

बिहारी - बिहारी रत्नाकर - संपादक जगन्नाथ रत्नाकर, दोहा क्रमांक 1 से 50।

घनानंद - घनानंद कवित्त - सं. विश्वनाथ प्रसाद मिश्र प्रारंभिक 25 पद ।

इकाई - 2

सूर, एवं तुलसी से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - 3

बिहारी और घनानंद से संबंधित आलोचनात्मक प्रश्न ।

इकाई - 4

भक्तिकाल (सगुण भक्तिधारा) एवं रीतिकाल का इतिहास, प्रवृत्तियाँ और प्रमुख रचनाओं से संबंधित प्रश्न ।

इकाई - 5

दुतपाठ के कवि - मीराबाई, रहीम, रसाखान, भूपण और केशव से संबंधित लघुउत्तरीय प्रश्न ।
अंक विभाजन - नियमित

इकाई 1	-	व्याख्या	3 X 8 = 24
इकाई 2	-	आलोचनात्मक प्रश्न	16
इकाई 3	-	आलोचनात्मक प्रश्न	15
इकाई 4	-	आलोचनात्मक प्रश्न	15
इकाई 5	-	लघुउत्तरीय प्रश्न	3 X 5 = 15

85
11.7.17 11.7.17

अंक विभाजन -स्वाध्यायी

इकाई 1	-	व्याख्या	3 X 9 = 27
इकाई 2	-	आलोचनात्मक प्रश्न	20
इकाई 3	-	आलोचनात्मक प्रश्न	20
इकाई 4	-	आलोचनात्मक प्रश्न	18
इकाई 5	-	लघुउत्तरीय प्रश्न 3 X 5 = 15	

			100

सेमेस्टर द्वितीय
प्रश्नपत्र तृतीय
आधुनिक हिन्दी गद्य और उसका इतिहास
नाटक और निबंध

इकाई-1
व्याख्यांश
नाटक

पूर्णांक-85+15 सी.सी.ई.

1-स्कंदगुप्त
2- आर्धेअधूरे
3- अंधायुग (काव्य नाटक) धर्मवीर भारती
निबंध

- 1.देश सेवा कामहत्व - बालकृष्ण भट्ट
- 2.म्यूनिशीपलेटी के कारनामे - महावीर प्रसाद द्विवेदी
- 3.काव्य में लोगमंगल की सांधनावस्था - आचार्य रामचन्द्र शुक्ल
- 4.अशोक के फूल - हजारी प्रसाद द्विवेदी
- 5.मेरे राम का मुकुट भीग रहा है-विद्यानिवास मिश्र
- 6.प्रिया नीलकंठी-कुबेरनाथ राय
7. पगडण्डियों का जमाना- हरिशंकर परसाई

इकाई - 2

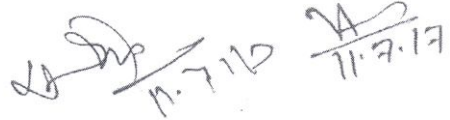
स्कंदगुप्त तथा आर्धे-अधूरे से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - 3

अंधा युग तथा निर्धारित निबंधों से आलोचनात्मक प्रश्न।

इकाई - 4

नाटक और निबंध का इतिहास और विभिन्न प्रवृत्तियों। निबंध और गद्य की विधाओं :
(सांस्मरण, रेखाचित्रयात्रावृत्त व्यंग्य) पर आलोचनात्मक प्रश्न।


11.7.17 11.7.17

~~नाटक और निबंध का इतिहास और विभिन्न प्रवृत्तियाँ । निबंध और पद्य की विधाएँ :
(संस्करण, रेखाचित्र, मानक, नृत्य, व्यंग्य) पर आलोचनात्मक प्रश्न ।~~

इकाई - 5

दुतपाठ हेतु निम्नलिखित गद्यकारों पर केंद्रित दो लघुउत्तरीय प्रश्न पूछे जाएंगे ।

नाटककार एवं निबन्धकार -

भारतेंदु हरिश्चंद्र, डॉ. रामकुमार वर्मा, सुरेन्द्र वर्मा, प्रताप नारायण मिश्र, रमेशकुन्तल मेघ, सरदार पूर्ण सिंह ।

सेमिस्टर - द्वितीय
प्रश्नपत्र - चतुर्थ
प्रयोजनमूलक हिन्दी
पत्रकारिता और मीडिया लेखन

पूर्णांक-85+15 सी.सी.ई.

इकाई - 1

पत्रकारिता :- स्वरूप एवं विभिन्न प्रकार, हिन्दी पत्रकारिता का संक्षिप्त इतिहास, समाचार-लेखन कला, संपादन के आधारभूत तत्व, व्यावहारिक पुष्प शोधन ।

इकाई - 2

पत्रकारिता : शीर्षक की संरचना, लीड, इन्ट्रो एवं शीर्षक संपादन
संपादकीय लेखन : पृष्ठ सज्जा, साक्षात्कार, पत्रकार वार्ता एवं प्रेस प्रबंधन, प्रमुख प्रेस कानून एवं आचार संहिता ।

इकाई - 3

मीडिया लेखन : जनसंचार प्रौद्योगिकी एवं चुनौतियाँ । विभिन्न जनसंचार माध्यमों का स्वरूप - मुद्रण, श्रव्य, दृश्य-श्रव्य, इंटरनेट ।

श्रव्य माध्यम-रेडियो :- मौखिक भाषा की प्रकृति, समाचार लेखन एवं वाचन, रेडियो नाटक, उद्घोषणा लेखन, फीचर तथा रिपोर्टाज ।

इकाई - 4

दृश्य श्रव्य माध्यम:- (फिल्म, टेलीविजन, वीडियो) दृश्य माध्यमों (वायंस ओवर) टेली ड्रामा, डायलॉग ड्रामा, संवाद लेखन, इंटरनेट सामग्री सृजन ।

इकाई - 5

पटकथा लेखन और उसके विविध रूप : साहित्य की विधाओं का दृश्य माध्यमों में रूपांतरण । विज्ञापन लेखन और विज्ञापन की भाषा, विज्ञापन के विविध रूप ।

अंक विभाजन - नियमित

पांचों इकाई से पांच निबंधात्मक प्रश्न 17 - 17 अंकों के ।

अंक विभाजन - स्वाध्यायी

इकाई 1 से 4 तक निबंधात्मक प्रश्न प्रत्येक - 20 अंक

इकाई 5 टिप्पणी 10+10 = 20

11.7.17 11.7.17

भारतीय पश्चात्य काव्यशास्त्र

व्यङ्ग्य सूची

1. डॉ० गौविन्द त्रिगुणाचल - भारतीय समीक्षा के सिद्धांत - भाग 1-2 (भारतीय साहित्य आंदोलन दिल्ली)
2. डॉ० जगन्नाथ गुप्त - पश्चात्य काव्यशास्त्र भारतीय एवं पश्चात्य काव्य सिद्धांत
3. भगीरथ मिश्र - पश्चात्य काव्यशास्त्र: इतिहास, सिद्धांत और वाद (विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी)
4. डॉ० रामेश्वर खण्डेलवाल: हिन्दी आलोचना के आधार स्तम्भ 3 (लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद)
5. डॉ० नगेन्द्र - भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका (नेशनल पाठलेखन हाउस, दिल्ली)
6. डॉ० निर्मला जैन - पश्चात्य साहित्य चिन्तन (राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली)
7. मूलजी भाई - भारतीय और पश्चात्य काव्यशास्त्र (राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली)
8. डॉ० सत्यदेव चौधरी - भारतीय तथा पश्चात्य काव्यशास्त्र (अशोक प्रकाशन, दिल्ली)
9. वैवेन्द्र इस्लर - उत्तर आधुनिकता: साहित्य और संस्कृति की नयी खोज (इन्द्रप्रस्थ प्रकाशन, दिल्ली)

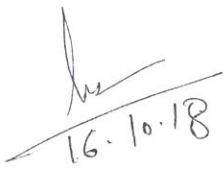
[Signature]
16.10.18
डा० प्रमिला तिवारी

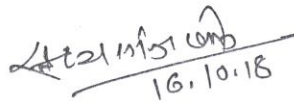
[Signature]
16.10.18
(डॉ० सत्यदेव चौधरी)

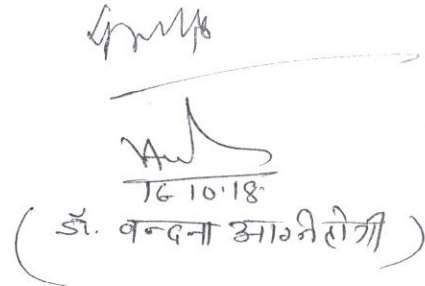
[Signature]
16.10.18
(डॉ० वन्दना आग्नेहोत्री)

एक १० प्रथम सेमिनार दिनांक .
प्राचीन एवं मध्यकालीन काव्य 16.10.18

1. डॉ. प्रेमनारायण शुक्ल संत शारदा (भ्रमर, काठपुर)
2. डॉ. गोविन्द त्रिगुणाचर कबीर
3. डॉ. शिवदास पाठक मालिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य
4. डॉ. रमेशचन्द्र गंगराई निमाई के संत - कवि सिंगाजी (हिन्दी साहित्य अंश लखनऊ-3)
5. डॉ. पुरुषोत्तम अग्रवाल अकथ कहानी प्रेम की - कबीर की कविता और उनका समय (राजकमल प्रकाशन दिल्ली)
6. शिवदास सिंह विद्यापति - राजकमल प्रकाशन दिल्ली


16.10.18


16.10.18

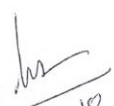

16.10.18
(डॉ. वन्दना झावनीहोत्री)

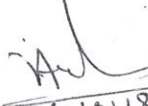
आधुनिक गद्य और उसका इतिहास

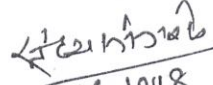
प्रश्न १०० प्रथम सेम

दिनांक - 16.10.18

1. डॉ. शाशिमूर्धन सिंह हिन्दी उपन्यास की प्रवृत्तियाँ
(विनोद पुस्तक मंदिर, अमरा)
2. डॉ. सुरेश सिन्हा हिन्दी उपन्यास - उद्भव और
विकास (अशोक प्रकाशन,
दिल्ली)
3. डॉ. रामदरश मिश्र हिन्दी उपन्यास : एक अन्वयत्रि
4. श्री राजेन्द्र यादव कहानी : स्वरूप और संवेदन
(नेशनल पाब्लिशिंग हाउस
दिल्ली)
5. डॉ. धनंजय वर्मा समकालीन कहानी : दिशा और
हाट्टे (आभेष्वाक्ती प्रकाशन,
बुलंदशहर)
6. गोपाल राय हिन्दी उपन्यास का इतिहास
राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
7. गोपाल राय हिन्दी कहानी का इतिहास
राजकमल प्रकाशन, दिल्ली.
8. डॉ. राजेन्द्र मिश्र बीसवीं शताब्दी के चर्चित
उपन्यास (तन्हाशीला प्रकाशन)


16.10.18.
डॉ. प्रेमलता लिकारी


16.10.18
(डॉ. वन्दना आग्नेहोत्री) (डॉ. संख्या संशोध)


16.10.18

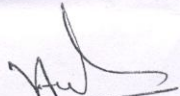
एम० ए० प्रथम क्षेत्र
प्रयोजन मूलक हिन्दी

दिनांक- 16.10.18

1. डॉ० कैलाशचन्द्र भारिया - प्रयोजन मूलक कामकाजी हिन्दी (तस्माशीला, दिल्ली)
2. डॉ० विनोद गोहरे हिन्दी पत्रकारिता : स्वरूप और संदर्भ (वाणी, दिल्ली)
3. डॉ० हरिमोहन सभाचार, फीचर लेखन एवं सम्पादन कला (तस्माशीला)
4. डॉ० राजेन्द्र मिश्र प्रयोजन मूलक हिन्दी के विविध रूप (तस्माशीला दिल्ली)
5. डॉ० नरेश भारिया आधुनिक शिक्षापन और जनसंपर्क (तस्माशीला, दिल्ली)



संस्थापिका
16.10.18
(डॉ० संस्थापिका)


16.10.18.
(डॉ० वन्दना आग्नेयजी)